CBSE Class 06 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-16 वन के मार्ग

1. प्रथम सवैया में कवि ने राम-सीता के किस प्रसंग का वर्णन किया है?
उत्तर:- प्रथम सवैया में कवि 'तुलसीदास' ने राम-सीता के वन-गमन प्रसंग के अंतर्गत राम, लक्ष्मण और सीता को वनवास में जाते हुए मार्ग में होने वाली परेशानियों का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है।

2. वन के मार्ग में सीता को होने वाली कठिनाइयों के बारे में लिखो।
उत्तर:- वन के मार्ग में जाते हुए सीता थोड़ी-ही देर में थक गई। उनके माथे से पसीना बहने लगा और होंठ सूख गए। वन के मार्ग में चलते-चलते उनके पैरों में काँटें चुभने लगे और वह आराम की बात कहने लगी।

3 . सीता की आतुरता देखकर राम की क्या प्रतिक्रिया होती है?

उत्तर:- सीता की आतुरता को देखकर श्रीराम व्याकुल हो उठते हैं। सीता की दशा उनसे देखी नहीं जाती। उनकी आँखों से भी आँसू बहने लगते हैं। वे पछताने लगते हैं कि उनके कारण सीता की यह अवस्था हुई है।

4. राम बैठकर देर तक काँटे क्यों निकालते रहे?
उत्तर:- राम से अपनी पत्नी की व्याकुलता देखी नहीं जा रही थी। सीता का प्यास के मारे बुरा हाल था और लक्ष्मण पानी की तलाश में गए हुए थे । जब तक लक्ष्मण लौट कर आते हैं; तब तक वे सीता की व्याकुलता और कष्ट को कम करना चाहते थे इसलिए राम बैठकर देर तक काँटे निकालते रहे।

5. सवैया के आधार पर बताओ कि दो कदम चलने के बाद सीता का ऐसा हाल क्यों हुआ?
उत्तर:- सीता का जीवन राजमहलों की सुख-सुविधाओं में बीता था। उसे कभी इस प्रकार के जीवन के बारे में पता भी न था अत: वन मार्ग पर चलने का उनका यह पहला अवसर था इसलिए अभ्यस्त न होने के कारण सीता दो कदम चलने के बाद ही थक गईं।

6. 'धरि धीर दए' का आशय क्या है?
उत्तर:- प्रस्तुत पंक्ति का आशय 'धैर्य धारण करने से' है। सीता वन मार्ग पर अग्रसर होते हुए, राम का साथ देते हुए, तकलीफों को सहते हुए मन-ही-मन स्वयं को धीरज बँधाकर बहुत ही धैर्य के साथ चल रही थी।

7. अपनी कल्पना से वन के मार्ग का वर्णन करो।
उत्तर:- वन का मार्ग बहुत ही दुर्गम था। चारों ओर घने और ऊँचे पेड़, कँटीली झाड़ियाँ थीं । रास्ता भी ऊबड़ -खाबड़ था जिस पर

चलना मुश्किल था। पानी और खाने-पीने के लिए भी खोज करनी पड़ती थी।तेज़ धूप के कारण मार्ग की धूप भी गर्म हो गई थी , जिस पर चलना अत्यंत कठिन था । वहाँ जंगली जानवरों से भी खतरा था। इस प्रकार वन का मार्ग असुरक्षित और अनेक कठिनाइयों से भरा था ।

• भाषा की बात

8. लखि - देखकर धरि - रखकर

पोछि - पोंछकर जानि - जानकर

ऊपर लिखे शब्दों और उनके अर्थ को ध्यान से देखो। हिंदी में जिस उद्देश्य के लिए हम क्रिया में 'कर' जोड़ते हैं, उसी के लिए अवधी में क्रिया में ि (इ) को जोड़ा जाता है, जैसे अवधी में बैठ + ि = बैठि और हिंदी में बैठ + कर = बैठकर। तुम्हारी भाषा या बोली में क्या होता है? अपनी भाषा के ऐसे छह शब्द लिखो। उन्हें ध्यान से देखो और कक्षा में बताओ।

उत्तर:- मेरी मातृभाषा गढ़वाली होने के कारण हम क्रिया में 'ले' का प्रयोग करते हैं जैसे - लिखले, पढ़ले, खाले, जाले, खेलले, पीले आदि।